सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 47 | जौनपुर, शुक्रवार, 04 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आतंक वादियों और सुरक्षा बलों में मुठभेड़

जम्मू– कश्मीर, एजेसी। जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, किश्तवाड़ के चटरू में सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। संपर्क स्थापित हो गया है और दोनों तरफ से कुछ राउंड गोलियां चली हैं। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बल तलाशी ले रहे थे तभी उन पर गोलीबारी की गई, जिसके बाद थोड़ी देर के लिए गोलीबारी हुई। सुरक्षाकर्मियों की संयुक्त टीम ने इलाके को घेर लिया है। पिछले दो महीनों के दौरान किश्तवाड़ के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कई बार मुठभेड़ हुई है। तेरह सितंबर को छतरू के नैदघाम इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) समेत सेना के दो जवान शहीद हो गए थे। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में हालिया मुठभेड़ों के बाद आतंकवादियों के सफाए के लिए जम्मू– कश्मीर के कठुआ और राजौरी जिलों में जारी तलाश अभियान को सोमवार को नए क्षेत्रों तक बढ़ा दिया।

कठुआ जिले की बिलावर तहसील के दूरदराज के कोग–मंडली गांव में भीषण मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया और दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सुरक्षाबलों ने इस दौरान एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। वहीं, रविवार शाम राजौरी जिले के थाना मंडी क्षेत्र के अंतर्गत मनियाल गली में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच संक्षिप्त गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि कठुआ में तीसरे दिन भी बड़े पैमाने पर तलाश अभियान जारी है और शनिवार को हुई मुठभेड़ के स्थल के पास एक दर्जन से अधिक गांवों तक घेराबंदी कर दी गई है।

सीएम ने दी महिलाओं को नारी गरिमा और सम्मान से जुड़ी सौगात

गोरखपुर, संवाददाता। महिलाओं की गरिमा और सम्मान से जुड़ी बड़ी सहूलियत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन सिविल लाइंस स्थित पार्क रोड पर पिंक बस टॉयलेट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के वाहनों, सीवेज सफाई की अत्याधुनिक मशीनों, बैंडीकोट रोबोट और विदेश से मंगाई गई डी–वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने नवरात्र दुर्गोत्सव के उपलक्ष्य में स्वच्छ पंडाल पोस्टर को विमोचन भी किया और लोगों को

जीरो वेस्ट त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया। पिंक बस टॉयलेट का फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंदर जाकर इसका अवलोकन –निरीक्षण किया और इसमें बनाई गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पिंक बस टॉयलेट के पिछले हिस्से में बने कैफे का भी उद्घाटन किया और इस कैफे का संचालन करने वाली महिलाओं से बातचीत कर उनका उत्साह बढ़ाया। नगर निगम की तरफ से सिविल लाइंस क्षेत्र में इस पिंक बस टॉयलेट की शुरुआत होने के साथ इसकी संख्या दो हो गई है। इसके पहले एक पिंक टॉयलेट रामगढ़ताल रोड पर बुद्धा गेट के आगे पहले से ही क्रियाशील है। पिंक बस टॉयलेट को कबाड़ घोषित रोडवेज की बसों को मोडिफाइड करके बनाया गया है। इसमें इंडियन और वेस्टर्न टॉयलेट, वॉश बेसिन, आदि की सुविधा है। इसमें प्रसाधन संबंधी सुविधाओं के साथ कैफे की भी सुविधा दी गई है। पिंक बस टॉयलेट में बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोलर सिस्टम भी इंस्टाल किया गया है। वाहन के पिछले हिस्से में कैफे बनाया गया है। कैफे के संचालन से जिला नगरीय विकास अभिकरण के माध्यम से महिलाओं को रोजगार से भी जोड़ा गया है। कैफे में खानपान के कई तरह सामान मिलेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सफाई वाहनों हरी झंडी दिखाए जाने के साथ ही महानगर की सफाई व्यवस्था अब और भी सुदृढ़ हो जाएगी। सीएम योगी ने आज नगर निगम के सफाई बेड़े के शामिल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन की 12 छोटी गाड़ियों, दो बड़ी गाड़ियों को रवाना किया। साथ ही उन्होंने करीब छह करोड़ रुपये की लागत वाली डी–वॉटरिंग फीकल स्लज सेफ्टी मशीन को भी हरी झंड़ी दिखाई।

महिलाओं का समर्थन मिला तो 'लाडकी बहिन' योजना में सहायता राशि 3,000 – कर दी जाएगी

महाराष्ट्र, एजेंसी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि अगर राज्य की महिलाओं का उनकी सरकार को समर्थन मिला तो 'लाडकी बहिन' योजना के तहत आर्थिक सहायता राशि बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दी जाएगी। शिंदे ने इस बात पर हैरानी जताई कि आखिर विपक्षी दल उनकी सरकार की कल्याणकारी पहलों को लेकर ईर्ष्या क्यों करते हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का 'महायुति' गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी करेगा। उन्होंने मंगलवार को कोल्हापुर के कन्हेरी मठ में धर्म ध्वज के उद्घाटन के अवसर पर संतों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के तहत 21 से 65 वर्ष की विवाहित, विधवा और बेसहारा महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जा रहे हैं। इसके लिए लाभार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये तक होनी चाहिए। शिंदे ने 'लाडकी बहिन' योजना को लेकर सरकार की आलोचना करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की और पूछा कि उन्हें ईर्ष्या क्यों हो रही है?

विपक्ष के बहकावे में न आएं, यह चुनाव विकास और विनाश का – राजनाथ सिंह

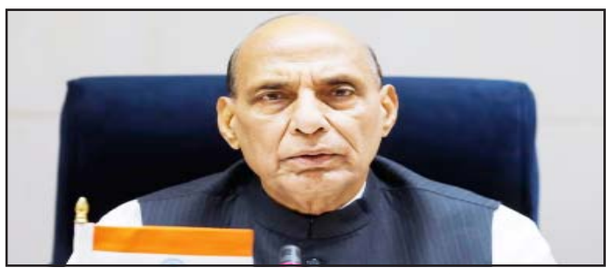

हरियाणा, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर चुनाव के दौरान किए वादे पूरे नहीं करने का बुधवार को आरोप लगाया और हरियाणा के लोगों से विपक्ष के बहकावे में नहीं आने का आग्रह किया। सिंह ने जोर देते हुए कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव विकास और विनाश में से किसी एक को चुनने के लिए है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरा करने का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हरियाणा के विकास के लिए 78,000 करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब राज्य को 21,564 करोड़ रुपये दिए गए थे। सिंह ने हरियाणा के यमुनानगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने 10 साल में किसानों को 1,158 करोड़ रुपये दिए जबकि भाजपा ने 13,276 करोड़ रुपये दिए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में हरियाणा में युवाओं को केवल योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जब भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटेगी तो युवाओं को बिना 'खर्ची–पर्ची' (भ्रष्टाचार और पक्षपात) के नौकरियां दी जाएंगी।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने बहुत से वादे किए थे। अगर 50–55 साल के शासन में आंशिक रूप से भी उन पर अमल किया होता तो भारत एक मजबूत देश बन गया होता।

कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती - मोदी

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार खत्म होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में बीजेपी की हैट्रिक का भरोसा जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोग एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन देंगे, उन्होंने कहा कि राज्य के देशभक्त नागरिक कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। अपने एक्स पोस्ट में मोदी ने लिखा कि बीते कुछ दिनों में मैंने पूरे राज्य की यात्रा की है। मैंने लोगों का जो उत्साह देखा है, उसे देखकर मुझे ये पक्का विश्वास है कि हरियाणा के लोग भाजपा को फिर अपना आशीर्वाद देने वाले हैं। हरियाणा के देशभक्त लोग, कांग्रेस की विभाजनकारी और नकारात्मक राजनीति को कभी

स्वीकार नहीं करेंगे। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने हरियाणा के लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। हमने सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। किसान हों, युवा हों, महिलाएं हों, गांव और शहरों का विकास हो, हमने कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। हम हरियाणा को कांग्रेस के घोटालों और दंगों वाले दौर से बाहर निकालकर लाए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता–जनार्दन जानती है कि कांग्रेस का मतलब भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता और भाई–भतीजावाद की गारंटी है। बापू–बेटे की राजनीति का मूल उद्देश्य सिर्फ स्वार्थ है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस यानि दलाल और दामाद का सिंडिकेट...। लोग आज हिमाचल से कर्नाटक तक कांग्रेस सरकारों की विफलता भी देख रहे हैं। कांग्रेस की नीतियां, लोगों को तबाह करती हैं इसलिए हरियाणा के लोग कांग्रेस को बिल्कुल नहीं चाहते हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता यह जानती हैं कि कांग्रेस कभी स्थिर सरकार नहीं दे सकती। हरियाणा के लोग देख रहे हैं कि कैसे कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। ये हाल तब है, जब ये विपक्ष में हैं। हरियाणा के लोगों को इस बात से भी चोट पहुंच रही है कि दिल्ली और हरियाणा में बैठे दो खास परिवारों के इशारे पर पूरा हरियाणा अपमानित हो रहा है।

सरकार की शह पर निर्दोष लोगों पर हो रही कार्रवाई - अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। वहीं कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिस प्रशासन निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर कार्रवाई कर रही है। सूबे में दोषियों को बचाने का काम किया जा रहा है। चाहे हाथरस में दलित बेटी का जबरन दाह संस्कार हो या बीएचयू में गैंगरेप का मामला, इस सरकार में उन्हें न्याय नहीं मिला। सरकार ने आरोपियों को संरक्षण दिया, जबकि पीड़िता के पक्ष में न्याय के लिए आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि, भाजपा सरकार वाराणसी आईआईटी, बीएचयू गैंगरेप का विरोध करने वाले 13 छात्र–छात्राओं का निलंबन कर रही है। यह बेहद निंदनीय कदम है। सरकार के शह पर विश्वविद्यालय की तानाशाही बेहद शर्मनाक घटना

है। अखिलेश यादव ने सवाल पूछते हुए कहा कि, भाजपा सरकार अपराधियों को बचाने और न्याय के लिए आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित करके क्या संदेश देना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि ये सभी आरोपी भाजपा के कार्यकर्ता हैं, इसलिए यह सरकार उन्हें बचाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। प्रदेश में महिलाओं के साथ हो रही अपराध की घटनाओं को लेकर अखिलेश यादव ने योगी सरकार को घेरा। प्रदेश में महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं। हालात यह हो चुका है कि प्रदेश में बहन–बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। मेरा मानना है कि इसके लिए केवल प्रदेश सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में हमेशा फर्क देखने को मिला है। इस सरकार में अन्याय की शिकार हो रही, बहन बेटियों की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। कई महिलाएं न्याय न मिलने के कारण लखनऊ में विधान भवन और मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना और आत्मदाह का प्रयास तक कर चुकी हैं। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। सपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए समाजवादी सरकार के दौरान महिला सुरक्षा को लेकर कई बड़े काम हुए। 1090 सेवा शुरू की गई थी, जो हमारी बहन–बेटियों के लिए सुरक्षा कवच के जैसे था।

कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले चुनाव प्रचार के आखिरी दिन नूह में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक यात्रा निकाली और जहां भी बीजेपी ने श्नफरत का बाजारश खोला, हमने श्मोहब्बत की दुकानश खोलीं। उन्होंने दावा किया कि हम प्यार और एकता की बात करते हैं, वे नफरत फैलाते हैं और देश को तोड़ने की कोशिश करते हैं।

बीजेपी और आरएसएस संविधान को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि कांग्रेस एक वैचारिक युद्ध लड़ रही है। एक तरफ संविधान को नष्ट करने की विचारधारा है, दूसरी तरफ संविधान की विचारधारा है। उन्होंने एक बार फिर कहा कि मैं अमेरिका में हरियाणा के कुछ युवाओं से मिला, वे मुझसे अपनी समस्याएं साझा करना चाहते थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे अमेरिका इसलिए आए क्योंकि हमें हरियाणा में नौकरी नहीं मिल सकती।

हरियाणा में बेरोजगारी और महंगाई है और हमें नौकरियां नहीं मिल रही हैं।

वे 50 लाख रुपये का कर्ज लेकर अमेरिका आये थे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। पीएम मोदी अपने भाषणों में यह नहीं बता सकते कि उन्होंने हरियाणा को बेरोजगारी की सूची में शीर्ष पर कैसे पहुंचाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पीएम मोदी अरबपतियों की सरकार चलाते हैं। 20–25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। पीएम मोदी ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और गरीबों का कितना कर्ज माफ किया?

पश्चिम बंगाल सहयोग करे तो रेलवे की तरफ से राज्य में 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में निवेश संभव – अश्विनी वैष्णव

कोलकाता, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश का

अवसर है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे को भूमि सौंपने से संबंधित मुद्दों के कारण राज्य में वर्तमान में 61 परियोजनाएं लंबित हैं। मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार को राजनीति से ऊपर उठने की आवश्यकता है। सियालदह स्टेशन पर रेलवे की कई परियोजनाओं और ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद वैष्णव ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में रेलवे द्वारा 60,000 करोड़ रुपये के निवेश का अवसर मौजूद है। उन्होंने कहा कि इस तरह के निवेश तभी संभव होंगे जब राज्य सरकार सहयोग करेगी। 26 किलोमीटर की मेट्रो रेल परियोजनाएं ऐसी हैं, जहां भूमि संबंधी मुद्दों के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है। 'ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड' में आयोजित स्वच्छ भारत कार्यक्रम के बाद यहां पत्रकारों से बात करते हुए वैष्णव ने जनता के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। रेल मंत्री ने कहा, ''विकास समय की मांग है। रेलवे परियोजनाओं को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। हमारा समर्थन करे, तो लोगों की भलाई के लिए इन 61 लंबित परियोजनाओं में तेजी लाई जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 10 वर्षों में 70 प्रतिशत घटी हिंसा

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दावा किया कि पिछले दस वर्षों में कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद से प्रभावित तीन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। शाहीबाग में अहमदाबाद पुलिस आयुक्त के नए कार्यालय भवन और संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं के कारण होने वाली मौतों की संख्या में भी 72 प्रतिशत की कमी आई है।

पीएम मोदी के प्रयासों से आया बदलाव– गृहमंत्री

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए अमित शाह ने यह भी दावा किया कि एक बार तीनों नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार हो जाने के बाद, लोगों को प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई तक तीन साल में न्याय मिल जाएगा। उन्होंने कहा

कि नरेंद्र मोदी सरकार के दृढ़ निश्चय, स्थायी और प्रभावी समाधान के साथ–साथ विकासोन्मुखी दृष्टिकोण ने कश्मीर और अन्य स्थानों पर परिवर्तन लाया है, जहां पर बड़े पैमाने पर हिंसा व्याप्त थी। उन्होंने कहा, दस वर्षों में लोगों ने देश के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में बड़ा बदलाव देखा है।

पहले इन क्षेत्रों में बम विस्फोट होना आम थी– शाह

अमित शाह ने कहा कि, एक दशक पहले, इन तीन हॉटस्पॉट – कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर बम विस्फोट होते थे।

उन दिनों यह इतना आम था कि ऐसी घटनाएं समाचारों में भी नहीं आती थीं। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र के प्रयासों की बदौलत पिछले दस वर्षों में इन तीन हॉटस्पॉट में हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है और ऐसी घटनाओं के कारण होने वाली मौतों में भी 72 प्रतिशत की कमी आई है। यह दर्शाता है कि भारत आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त राष्ट्र बनने की राह पर है।

नए कानूनों को लेकर गृह मंत्री का दावा

वहीं नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के बारे में बात करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि इन्हें तैयार करते समय छोटी–छोटी बातों पर ध्यान दिया गया। हमने इन कानूनों की कई धाराओं को परिभाषित करते समय इस बात का ध्यान रखा कि 100 साल बाद भी कौन सी नई तकनीक प्रचलन में रहेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अगले 100 साल तक कानूनों में बदलाव की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई तक तीन साल के भीतर मिलेगा न्याय

गृह मंत्री ने कहा, एक बार इन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण हो जाने के बाद, हमारी न्याय प्रणाली दुनिया में सबसे उन्नत हो जाएगी।

संपादकीय

छात्रों की थकान को कम करना

मैं ऑनलाइन शिक्षा के उदय ने दुनिया भर में छात्रों के लिए लचीलापन और सुविधा ला दी है, लेकिन इसने नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं। कई छात्र कक्षा की पारंपरिक संरचना के बिना कोर्सवर्क और व्यक्तिगत जिम्मेदारियों से जूझते हुए खुद को अभिभूत महसूस करते हैं। नतीजा? खराब हुए। बर्नआउट तब होता है जब छात्र मानसिक और शारीरिक रूप से थका हुआ महसूस करते हैं, अपनी पढ़ाई की निरंतर मांगों को पूरा करने में असमर्थ होते हैं। यदि आप ऑनलाइन सीखने के दबाव से जूझ रहे हैं, तो यहां छह रणनीतियाँ हैं जो आपको ऊर्जावान और केंद्रित रहने में मदद करेंगी। 1. समय प्रबंधन में महारत हासिल करेंरू अपने दिन की संरचना करें ऑनलाइन सीखने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक निर्धारित कार्यक्रम की कमी है। व्यक्तिगत रूप से कक्षाओं में भाग लेने की दिनचर्या के बिना, छात्रों के लिए विलंब करना आसान होता है, जिससे अंतिम समय में रटना और अत्यधिक दबाव होता है। एक अच्छी समय प्रबंधन प्रणाली आपको नियंत्रण हासिल करने में मदद कर सकती है। एक दैनिक या साप्ताहिक योजना बनाकर शुरुआत करें जिसमें यह बताया जाए कि आप कब कक्षाओं में भाग लेंगे, अध्ययन करेंगे और आराम करेंगे। अपना समय व्यवस्थित करने के लिए डिजिटल योजनाकारों, ऐप्स या यहां तक घ्धकि एक भौतिक कैलेंडर का उपयोग करें। इस बारे में यथार्थवादी रहें कि आपको प्रत्येक कार्य के लिए कितना समय चाहिए, और ब्रेक शामिल करना सुनिश्चित करें। एक संरचित शेड्यूल कार्यों को बढ़ने से रोकता है और आपके दिन को प्रबंधनीय रखता है। 2. सीमाएं बनाएंरू अध्ययन के समय को व्यक्तिगत समय से अलग करें ऑनलाइन शिक्षण स्कूल और घर के बीच की रेखा को धुंधला कर देता है, जिससे इसे मानसिक रूप से बंद करना मुश्किल हो जाता है। जब आपका रहने का स्थान आपकी कक्षा के बराबर हो जाता है, तो यह महसूस करना आसान हो जाता है कि आप हमेशा घ्चालूष् हैं और हमेशा काम कर रहे हैं। बर्नआउट को रोकने के लिए, अध्ययन के समय और व्यक्तिगत समय के बीच स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करें। अपने घर में पढ़ाई के लिए एक विशिष्ट क्षेत्र निर्धारित करें, चाहे वह डेस्क हो या शांत कोना। इस तरह, जब आप उस स्थान से दूर चले जाते हैं, तो आपका दिमाग विश्राम मोड में बदल सकता है। बिस्तर पर या सोफे पर जहां आप आराम करते हैं, स्कूल का काम करने से बचें, क्योंकि इससे आपको मानसिक रूप से अपनी पढ़ाई से अलग होने में कठिनाई हो सकती है। 3. नियमित ब्रेक लेंरू खुद को रिचार्ज करने के लिए समय दें बिना ब्रेक लिए घंटों तक पढ़ाई करने की आदत डालना आसान है, खासकर जब समय सीमा नजदीक आ रही हो। लेकिन बिना रुके काम करने से वास्तव में उत्पादकता कम हो जाती है और थकावट होने लगती है। अपने दिमाग को तेज रखने और बर्नआउट को रोकने के लिए नियमित ब्रेक लेना आवश्यक है। पोमोडोरो विधि जैसी तकनीकों का उपयोग करके, जहां आप 25 मिनट तक अध्ययन करते हैं और फिर 5 मिनट का ब्रेक लेते हैं, अपना ध्यान केंद्रित रख सकते हैं। ब्रेक के दौरान, इधर–उधर घूमना, खिंचाव करना या थोड़ी देर टहलना सुनिश्चित करें। शारीरिक गतिविधि आपके शरीर और दिमाग को तरोताजा करने में मदद करती है, जिससे आप नई ऊर्जा के साथ अपने काम पर लौट सकते हैं। 4. साथियों से जुड़े रहेंरू खुद को अलग–थलग न करें ऑनलाइन सीखने की चुनौतियों में से एक आपके सहपाठियों के साथ आमने–सामने बातचीत की कमी है। सामाजिक अलगाव से जलन की भावना बढ़ सकती है, क्योंकि छात्र अपनी पढ़ाई में कटा हुआ और असमर्थित महसूस करते हैं।

ऑनलाइन अध्ययन समूहों, चर्चा मंचों या आकस्मिक वीडियो चौट के माध्यम से अपने साथियों से जुड़े रहने का प्रयास करें। दूसरों के साथ सहयोग करने से न केवल आपको सामग्री से जुड़े रहने में मदद मिलती है बल्कि समुदाय की भावना भी मिलती है। यह जानना कि अन्य लोग भी समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, आश्वस्त हो सकता है और आपको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकता है। 5. यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करेंरू अपने आप पर बहुत अधिक बोझ न डालें महत्वाकांक्षी होना महत्वपूर्ण है, लेकिन अवास्तविक लक्ष्य निध्ार्रित करना इसमें बाधा डाल सकता हैअनावश्यक दबाव और जलन की ओर ले जाता है। बड़ी परियोजनाओं को छोटे–छोटे कार्यों में विभाजित करें और दैनिक या साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करें जो प्राप्त करने योग्य हों। यह दृष्टिकोण आपको केंद्रित रहने में मदद करता है और आपकी प्रगति को ट्रैक करना आसान बनाता है। सब कुछ एक साथ पूरा करने का लक्ष्य रखने के बजाय, एक समय में एक ही कार्य पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें। इससे न केवल तनाव कम होता है बल्कि जब आप अपनी सूची से प्रत्येक आइटम पर सही का निशान लगाते हैं तो आपको उपलब्धि का एहसास भी होता है। रास्ते में छोटी–छोटी जीतों का जश्न मनाएं और आपने जो प्रगति की है उसका श्रेय खुद को दें। 6. मदद मांगें चुपचाप कष्ट न सहें कई छात्रों को लगता है कि उन्हें सबकुछ खुद ही संभालना होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच नहीं है। यदि आप कुछ विषयों पर अभिभूत या अनिश्चित महसूस कर रहे हैं, तो मदद मांगने में संकोच न करें। चाहे वह शिक्षक, शिक्षक या परामर्शदाता से बात करना हो, मार्गदर्शन मांगना राहत प्रदान कर सकता है और आपको पटरी पर वापस आने में मदद कर सकता है। आपके प्रशिक्षक और सहायक कर्मचारी मदद के लिए मौजूद हैं, इसलिए उन संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाएँ।

वाशिंग मशीन की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट

आदित्य

धार्मिक अभ्यास के संदर्भ में "पवित्रता" भारत के राजनीतिक वर्ग के सामूहिक जुनून में एक और साध्ान के रूप में तेजी से विकसित हो रही है। भारतीय राजनीतिक वर्ग द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संकर भाषा में, "वाशिंग मशीन" सिंड्रोम को जनता द्वारा पूरी तरह से समझा जाता है, जिसका अर्थ है भ्रष्ट लोगों का एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाना, जिसका उद्देश्य अपवित्र कैरियर उन्नति है। जब अजित पवार ने महाराष्ट्र में पाला बदला और दो दलों में विभाजन की भाजपा की सफल इंजीनियरिंग द्वारा बनाए गए महायुति गठबंधन में शामिल हो गए, तो वॉशिंग मशीन की अवधारणा बिल्कुल स्पष्ट हो गई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शरद पवार के बाद दूसरे स्थान पर रहने के दौरान 70,000 करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए भाजपा द्वारा पहले भी उन पर हमला किया गया था, लेकिन रातों–रात वह व्यक्ति बेदाग हो गया। हालांकि, उन्हें शुद्ध करने, भ्रष्टाचार के "दाग" को हटाने के लिए गंगा जल और गोमूत्र का लेप नहीं लगाया गया। न ही उन्होंने एक दलबदलू के रूप में धर्म परिवर्तन किया ताकि वे "सनातनी" के रूप में उभरें और इसलिए स्वीकार्य हों, जैसा कि जयपुर

में कांग्रेस पार्षदों ने तब किया जब वे भाजपा में शामिल होने के लिए पाला बदल चुके थे। जयपुर नगर निगम हेरिटेज कार्यालय में किया गया विचित्र समारोह अनुष्ठान शुद्धिकरण था जिसे एक दिखावा में बदल दिया गया। अब तक अज्ञात क्षेत्र के रास्ते खोजते हुए, भाजपा के कार्यकर्ता अब एक समझ से परे दलदल में खो जाने के गंभीर खतरे में हैं। "सनातन" एक ऐसी अवध्ारणा है जिसके बारे में कोई सार्वभौमिक लिखित कोड नहीं है कि सही हिंदू अभ्यास क्या है, राजनीति में सत्ता के खेल की रोजमर्रा की दिनचर्या के साथ इसे जोड़ना आसान नहीं है। जबकि यह पूरी तरह से समझ में आता है कि भाजपा अपनी हिंदुत्व विचारधारा की वकालत करने के लिए हर अवसर का उपयोग करेगी, यह हैरान करने वाला है कि वह अपनी राजनीति में नियमित रूप से गोमूत्र और पवित्र जल का उपयोग करके सनातन धर्म शैली में शुद्धता और रूढ़िवादिता की पैरोडी बनाने के लिए इतनी दूर क्यों जा रही हैरू दलबदल की इंजीनियरिंग। इसका मतलब यह है कि भाजपा के पास ऐसी अवधारणाएँ खत्म नहीं हो गई हैं जो उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक हिंदू जनता को रोमांचित कर सकें। जाहिर तौर पर यह राम मंदिर के बाद के युग में अपने एजेंडे को मूर्त रूप देने के लिए एक शब्द, एक संकेत और एक एकीकृत विचार की तलाश कर रही है।

वरना भारत भर की जनता, जिनमें से अधिकांश को सोशल मीडिया पर चर्चा करने की अत्यधिक भूख है, को सनातन पर एक आख्यान गढ़ने के लिए क्यों आमंत्रित किया जा रहा है, एक ऐसी अवधारणा जिसका कोई प्रतीक, कोई अंतिम लक्ष्य और कोई पूर्ववर्ती नहीं है? भाजपा जो छलांग लगाने की कोशिश कर रही है वह अंधेरे में है क्योंकि वह तिरुपति के विशाल रसोईघरों में भगवान वेंकटेश्वर को पवित्र प्रसाद के रूप में तैयार किए गए लड्डुओं से लेकर जयपुर में कांग्रेस के दलबदलुओं, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में सड़क किनारे खाने–पीने की दुकानों और खाने–पीने की दुकानों तक के कथित अपमान के इर्द–गिर्द की कहानी में सबसे कम सामान्य कारक की तलाश कर रही है। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए कोटा बढ़ाकर जाति आरक्षण पर आगे संशोधन से संविध्ान की पवित्रता की रक्षा करना भी उसी साझा एजेंडे का हिस्सा है। यह सब भाजपा की उस कहानी में कैसे फिट बैठता है कि हिंदू धर्म खतरे में है, यह स्पष्ट नहीं है। अगर इससे धार्मिक बहुसंख्यकों के भीड़ उन्माद को पुनर्जीवित करने की उम्मीद है, जैसा कि एक बार राम मंदिर आंदोलन ने भाजपा को एक छोटी पार्टी से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाले एक विशालकाय दल में बदल दिया था, तो हिंदुत्व कथा के इस हिस्से के डिजाइनरों को सूखे का सामना करना पड़ रहा है। राजनीतिक दलबदल के माध्यम से हिंदू धर्म की पवित्रता को बहाल करने के आह्वान से कम प्रेरणादायक कुछ भी नहीं है। हर मतदाता जानता है कि राजनीतिक पक्ष बदलने का उद्देश्य सरल हैय यह प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करना और मेजबान पार्टी को मजबूत करना है। यह सत्ता और उसके प्रदर्शन के बारे में है। चुनाव के मौसम में, ये लेन–देन और निष्ठा के हस्तांतरण गति पकड़ते हैं और फिर प्रतिस्पर्धी राजनीति की गर्मी के कम होते ही कम हो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार में वरिष्ठ मंत्री विक्रमादित्य सिंह द्वारा की गई नकल नीति की घोषणा पर कांग्रेस पार्टी में शर्मिंदगी और इसके परिणामस्वरूप आक्रोश समझ में आता है। देर से ही सही, यह समझ में आने के बाद कि नरम हिंदुत्व को बढ़ावा देना भाजपा के कट्टर हिंदुत्व मंच के खिलाफ लड़ने के लिए सबसे खराब रणनीति है, श्री सिंह की नीति जिसके तहत भोजनालयों को स्ट्रीट फूड स्टॉल और सड़क किनारे भोजनालयों के मालिकों, प्रबंधकों और संचालकों की पहचान प्रदर्शित करने की आवश्यकता थी, लाइन में लग गई।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सभी के लिए

विनोद

कई उद्योगों के भविष्य को आकार दे रही है। लेकिन इसकी शक्ति को पर्यावरणीय और नैतिक प्रबंधन के साथ संतुलित किया जाना चाहिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब कोई भविष्यवादी अवधारणा नहीं है। यह यहां है, आज, तेजी से उद्योगों को नया आकार दे रहा है और बदल रहा है, नवाचार को आगे बढ़ा रहा है, विभिन्न क्षेत्रों में जटिल समस्याओं का समाधान कर रहा है। विशाल डेटासेट को संसाधित करने, संचालन को अनुकूलित करने और पूर्वानुमानित अंतर्दृष्टि प्रदान करने की इसकी क्षमता मूल रूप से व्यावसायिक संचालन को बदल रही है। एआई का अनुप्रयोग किसी भी व्यवसाय के लिए क्षमताओं की एक श्रृंखला को शक्ति प्रदान करता है – नियमित कार्यों को स्वचालित करने और निर्णय लेने में सहायता करने से लेकर प्रक्रिया में सुधार लाने और असंरचित डेटा से कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि निकालने तक। मैकिन्से की रिपोर्ट के अनुसार, जनरल एआई अगले तीन वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में +2.5 ट्रिलियन से +4 ट्रिलियन के बीच मूल्य जोड़ सकता है। लेकिन यह कहना कि एआई केवल उन लोगों के लिए है जो प्रौद्योगिकी को समझते हैं या इसका भरपूर उपयोग करते हैं, एक गंभीर गलत धारणा होगी। इस नए युग में, एआई सभी के लिए है – संपूर्ण व्यावसायिक परिदृश्य में दक्षता, नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। परिवर्तन का भविष्य एआई का अनुप्रयोग सिर्फ व्यवसाय के दायरे से परे है। भारत में, जहां स्वास्थ्य देखभाल संसाधन अक्सर कम होते हैं, यह न केवल चिकित्सा निदान को आगे बढ़ाकर बल्कि स्केलेबल, जीवन रक्षक समाधान प्रदान करके गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का शीघ्र पता लगाने पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। इस बीच, बड़े डेटा–संचालित उद्योग डेटा प्रोसेसिंग, विश्लेषण और विजुअलाइजेशन को बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैंय वित्तीय संस्थान इसका उपयोग धोखाधड़ी का पता लगाने और जोखिम मूल्यांकन के लिए कर रहे हैंय और विपणक इसका उपयोग ग्राहक सहभागिता और बिक्री पूर्वानुमान को बेहतर बनाने के लिए कर रहे हैंय यह विनिर्माण क्षेत्र के लिए पूर्वानुमानित रखरखाव और दक्षता चला रहा हैय और ई–कॉमर्स खिलाड़ी वैयक्तिकृत अनुशंसाओं और बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन का लाभ उठा रहे हैं। अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी तक पहुंच भी अब बड़े निगमों तक सीमित नहीं है। मध्य–बाजार उद्यम भी अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। हाल के उद्योग अनुसंधान से पता चलता है कि 96: मध्यम आकार के भारतीय संगठन जनरल एआई कार्यान्वयन को प्राथमिकता देते हैं, जो वैश्विक औसत 91: से अधिक है। वास्तव में, भारतीय मध्य–बाजार व्यवसायों के लिए, जनरल एआई (66:) को अपनाना 2024 में सबसे मजबूत संगठनात्मक प्राथमिकता के रूप में साइबर सुरक्षा (67:) की तैयारी के बाद दूसरे स्थान पर है। एआई परिनियोजन के लिए यह सक्रिय दृष्टिकोण एआई की क्षमता की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। गोपनीयता, विपणन और बिक्री, सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्रांति लाना। जैसे–जैसे एआई स्वयं विकसित हो रहा है, इसकी परिवर्तनकारी शक्ति का और विस्तार होगा, नए अवसर खुलेंगे और दुनिया की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों का समाधान होगा। नैतिक उपयोग एआई तेजी से प्रगति कर रहा है, लेकिन यह प्रगति साइबर सुरक्षा जोखिम और बढ़ती ऊर्जा खपत, पर्यावरण और नैतिकता के बारे में चिंताओं को बढ़ाने जैसी चुनौतियां लाती है। हालांकि यह प्रक्रियाओं को अनुकूलित कर सकता है और उत्सर्जन को कम कर सकता है – परिपत्र अर्थव्यवस्था रणनीतियों की सिफारिश करके और ऊर्जा दक्षता में सुधार करके – यह उच्च कार्बन पदचिह्न के साथ भी आता है, खासकर डेटा केंद्रों में जहां बड़े मॉडल को प्रशिक्षित और तैनात किया गया है। एआई के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित, टिकाऊ, विश्वसनीय और जिम्मेदार प्रथाओं के साथ नवाचार को संतुलित करने की आवश्यकता है जो पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को कम करती है। कोवास्तव में एआई की क्षमता को अनलॉक करने के लिए, ऊर्जा–कुशल एआई मॉडल को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, इसके विकास को टिकाऊ और नैतिक प्रथाओं के साथ जोड़ना भी महत्वपूर्ण है। एआई का भविष्य निरंतर नवाचार और सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता की मांग करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि इसकी व्यापक तैनाती एक अधिक जिम्मेदार दुनिया में योगदान देती है। एआई की परिवर्तनकारी शक्ति को पर्यावरण और नैतिक प्रबंधन के साथ संतुलित करना न सिर्फ सही रास्ता है, बल्कि आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है।

पॉक्सो अधिनियम से जुड़ी दुविधा

विजय

समाज में लगातार बदलाव हो रहे हैं और कानूनों को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। इसका संकेत तब मिला जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि किशोरावस्था में प्यार करना कानूनी रूप से एक अस्पष्ट क्षेत्र हैय यह बहस का विषय है कि क्या इसे अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है। उच्च न्यायालय ने एक ऐसे व्यक्ति को जमानत दे दी जिसे अप्रैल 2022 से जेल की सजा सुनाई गई थी, क्योंकि उसने 22 साल की उम्र में 17 वर्षीय लड़की के साथ संबंध बनाए थे। उसकी उम्र के कारण उसे जमानत दी गई थीय लगातार जेल में रहने से उसके जीवन में बाध्ाएँ आ सकती थीं। हालाँकि, उच्च न्यायालय ने इस बिंदु पर यह नहीं कहा कि वह नाबालिग लड़की के अपहरण का दोषी है या नहीं, जैसा कि लड़की के पिता ने शिकायत की थी। लेकिन अदालत ने कहा कि समान परिस्थितियों में लड़कियों के बयान, यानी सहमति से संबंध बनाने वाली नाबालिगों के बयान उनके माता–पिता के दबाव में बदल जाते हैं। कानून नाबालिग के साथ यौन संबंधों को अपराध मानता है। बच्चों के यौन शोषण को देखते हुए यह निश्चित रूप से समझदारी भरा कदम है, लेकिन यह माता–पिता को बेटियों को अपने नियंत्रण में रखने की भी अनुमति देता है। यह मान कर नहीं चला जा सकता कि 16 या 17 साल की लड़की हमेशा क्षणिक आकर्षण को प्यार समझ लेगी या केवल आवेगपूर्ण – इसलिए नुकसानदायक – चुनाव करेगी जबकि 18 साल की होते ही सब कुछ बदल जाएगा। इससे पहले, बॉम्बे हाई कोर्ट ने 26 वर्षीय एक व्यक्ति को 17 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार के आरोप से बरी कर दिया था, जिसके साथ वह सहमति से संबंध में था। यहां तक घ्धकि नाबालिग की सहमति को सहमति नहीं मानने का सिद्धांत भी विफल हो गया, क्योंकि सुनवाई के समय लड़की 18 वर्ष की हो चुकी थी। तब कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए है, लेकिन सहमति से किशोर संबंधों को अपराध नहीं मानता। निस्संदेह, इस नाजुक मामले में कानून दुविधा का सामना कर रहा है क्योंकि उसे एक कट–ऑफ आयु निर्धारित करनी होगी। यह युवा लड़कियों के इंटरनेट पर ग्रूमिंग के प्रति भेद्यता के बारे में भी चिंतित है। साथ ही, समाज बदल गया हैरू न तो विवाह–पूर्व सहमति से यौन संबंध बनाना और न ही उदाहरण के लिए, 17 वर्षीय लड़की और 20 वर्षीय पुरुष के बीच गंभीर संबंध बनाना दुर्लभ है।

प्रदर्शनकारी चिकित्सकों द्वारा काम बंद करना

संजय

हाल के दिनों में बंगाल के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना अनिश्चितता का पर्याय बन गया है, क्योंकि जूनियर डॉक्टर आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अपने सहकर्मी के बलात्कार और हत्या के खिलाफ अपने जोशीले विरोध के तहत अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने से परहेज कर रहे हैं। पहला काम बंद 42 दिनों तक चला, जिससे, आंकड़ों के अनुसार, बंगाल की स्वास्थ्य सेवाओं पर सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। फिर भी, विरोध करने वाले डॉक्टरों ने नई और पुरानी मांगों की एक सूची पेश करने के बाद मंगलवार से अपना काम बंद फिर से शुरू कर दिया है। वे सर्वोच्च न्यायालय में "लंबी न्यायिक प्रक्रिया" की भी आलोचना करते रहे हैं और केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही जांच की धीमी गति पर अपनी निराशा व्यक्त की है। भारत की न्यायपालिका स्पष्ट रूप से तेज–तर्रार नहीं है। फिर भी डॉक्टरों की महत्वपूर्ण प्रगति या यहां तक कि दो महीने के भीतर कानूनी कार्यवाही और जांच दोनों के पूरा होने की उम्मीद अपरिपक्व है। अदालत जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे पलक झपकते ही फैसला सुना देंरू इससे न्याय ही प्रभावित होगा। इसके अलावा, ऐसा नहीं है कि अध्िकारी डॉक्टरों की मांगों के प्रति उदासीन रहे हैं। लेकिन क्या इनमें से कुछ के लिए कोई समय–सीमा तय की जा सकती है, जैसे कि अंतर्निहित भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना? चिकित्सकों द्वारा मांगे गए बुनियादी ढांचे के सुधार के कुछ हिस्सों में अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। उदाहरण के लिए, बंगाल सरकार विनिर्माण फर्मों की देरी के कारण निर्धारित अवधि के भीतर क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरे लगाने के लिए संघर्ष कर रही है। डॉक्टरों की मुख्य भूमिका को देखते हुए, मांगें पूरी न होने का हवाला देते हुए काम बंद करने का एक और दौर बुलाना अनैतिक है। त्योहारी सीजन के दौरान विरोध प्रदर्शन का आर्थिक रूप से भी बुरा असर पड़ा है, जिससे व्यापारियों के छोटे, कमजोर वर्ग को नुकसान हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि डॉक्टरों के आंदोलन को जनता का समर्थन प्राप्त है, खासकर मध्यम वर्ग का। लेकिन इस समर्थन का इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवाओं को बार–बार बाधित करने के लिए एक तरह के लाभ के रूप में करना एक अवांछनीय – दुष्ट – मिसाल कायम करता है।

भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे

प्रह्लाद

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोध्ान कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी। विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुध्ार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अध्िक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे। इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्धिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024–25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा। विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024–25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025–26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति, जौनपुर के नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन 5 अक्टूबर शनिवार शाम 7:00 बजे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की समस्त मां दुर्गा पूजन समितियां की एकीकृत संगठनात्मक शक्ति की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का 46 वें नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन समारोह 5 अक्टूबर शनिवार को सायंकाल का 7:00 बजे से नगर के कोतवाली चौराहा हनुमान मंदिर के सामने आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव व विशिष्ट अतिथि द्वय जिला अधिकारी डॉ दिनेश चंद्र पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल होंगे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष मंगल देव करेंगे कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन महासचिव मनीष गुप्ता करेगे। उक्त कार्यक्रम में दुर्गा पूजा समितियां के अध्यक्ष महासचिव सम्मानित नागरिकगण एवं मीडिया के पत्रकार बंधु आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

मंडल और बूथ स्तर पर प्रवास कार्यक्रम बनाकर कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करे – पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने जिले के सभी जिला पदाधिकारियो एव मोर्चा के जिलाध्यक्षों एव मंडल के अध्यक्ष से आज तक हुई सदस्यता की वृत ली और आगे की सदस्यता अभियान पर विस्तार से चर्चा की। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह कार्यबल विकास में पहला कदम है लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए पूर्व योजनाओं और पूर्ण योजना के साथ कार्यकर्ता जुट जाए इसके साथ ही उन्होंने आह्वान किया कि वे मंडल और बूथ स्तर पर प्रवास कार्यक्रम बनाए और वहां स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने की बात कही है। बीजेपी विचार आधारित पार्टी है, यहां कार्यकर्ता अपने कार्य के बल पर महत्वपूर्ण है. सदस्यता अभियान कार्यकर्ता निर्माण की दिशा में पहला कदम है, इसलिए इस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है उन्होंने अभियान की सफलता के लिए तीन सुत्रीय मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिदिन सदस्य बनाए, मंडल के हर बूथ पर सक्रियता बढ़ाए और सदस्यता अभियान में व्यक्तिगत रेफरल की संख्या बढाई जाए। विपक्ष देश में बांग्लादेश जैसे हालात बनाने की घोषणा कर रहा हैं जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के घोषणा पत्र को देखकर उनकी सोच का अंदाजा लगाया जा सकता है. कश्मीर में फिर से पुरानी व्यवस्था बहाल करने की घोषणा करने वाली राजनीतिक पार्टी के नेता देश का भला कभी नहीं कर सकते है ऐसे में हमें बीजेपी के विचार को जनता तक पहुंचाने के लिए सदस्यता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे कमजोर मन से नहीं बल्कि मजबूत मन के साथ संगठन के कार्य में जुटे, क्योंकि बीजेपी की ताकत उसके कार्यकर्ता है। कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्र ने की। उक्त अवसर पर पीयूष गुप्ता सुनील तिवारी अमित श्रीवास्तव संतोष सिंह संदीप सरोज धनंजय सिंह सुधाकर उपाध्याय राजू दादा धीरू सिंह आमोद सिंह रोहन सिंह पुष्पा शुक्ला जीतेन्द्र सिंह बेचन सिंह अनिल गुप्ता नरेन्द्र उपाध्याय अजय सरोज दिव्यांशु सिंह सुशांत चौबे अवनीश यादव घनश्याम यादव मंडल प्रभारी गण मंडल अध्यक्ष गण एव सदस्यता प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

आपदा आकलन करने पहुंची टीम पीडित को मदद की जगी आस

सुल्तानपुर। गरीब के द्वार पहुंचा प्रशासन, जगी उम्मीद, बंधुआ कला थाना क्षेत्र में बारिश से आशियाना गंवाने वाले बंधुआ कला दामोदरपुर के अर्जुन सिंह की गरीबी दूर करने की प्रशासनिक पहल शुरू कर दी गई है। खबर का प्रकाशन होने के बाद राजस्व टीम(राजस्व निरीक्षक व लेखपाल) द्वारा मौके पर पहुंचकर गिरे मकान की फोटो लिया गया और आपदा राहत कोष से मदद करने के लिए कागजी कार्यवाई को पूरा किया गया। एसडीएम के निर्देश पर आवास के लिए भी पंचायत विभाग ने कोशिश शुरू कर दी है।अर्जुन सिंह का कोई राशन कार्ड नहीं है।इसके लिए भी जिला पूर्ति अधिकारी की ओर से हर संभव मदद के लिए कोटेदार को अर्जुन सिंह व उनकी पत्नी रूपा सिंह के घर भेजा गया था। रूपा ने बताया की अब उम्मीद जगी है की उन्हें आवास और राशन कार्ड का लाभ जल्द ही मिल जायेगा।

अग्रिति खुराना को उनके जीतने वाले नेल पालिश शेड अग्रितिज लाटे के लिए फेस ऑफ जूस के खिताब से नवाजा गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जूस कॉस्मेटिक्स ने सुपरसेफ उत्पाद संग्रह की लॉन्च और फेस ऑफ जूस क्राउनिंग समारोह के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। ब्यूटी इनोवेशन में अग्रणी जूस कॉस्मेटिक्स ने 4 अक्टूबर, 2024 को लखनऊ के ताज महल होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम ने सफल विश ए कलर, वी डिलीवर प्रतियोगिता के शिखर को चिह्नित किया, जो सौंदर्य उद्योग में उत्कृष्टता के एक दशक का जश्न मनाया गया और पूरे भारत से प्रतिभागियों की रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर, अग्रिति खुराना को उनके जीतने वाले नेल पॉलिश शेड श्अग्रितिज लाटेश के लिए फेस ऑफ जूस के खिताब से नवाजा गया। जूस कॉस्मेटिक्स ने अपने नवीनतम सुपरसेफ उत्पाद संग्रहरू सुपरसेफ कलर मैक्स लिपस्टिक और प्लेअप लिप क्रेयॉन कलेक्शन का भी अनावरण किया। इस नई उत्पाद लॉन्च के साथ, ब्रांड ने अपनी वेबसाइट को नया रूप देकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दिन लाइव हुआ।

कई अन्य प्रतिभागियों में से प्रतियोगिता की विजेता अग्रिति खुराना ने अपनी अनोखी कॉफी–प्रेरित नेल पॉलिश शेड और सौंदर्य के प्रति अपनी जुनून से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आत्म–अभिव्यक्ति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दूरदर्शी विचारों का जश्न मनाने के जूस कॉस्मेटिक्स के मिशन के साथ प्रतिध्वनित होती है।

सुपरसेफ कलर मैक्स लिपस्टिक और प्लेअप लिप क्रेयॉन कलेक्शन ने जूस कॉस्मेटिक्स की सफलता में इजाफा किया। सुपरसेफ कलर मैक्स लिपस्टिक बायो–रेटिनॉल, शिया बटर और विटामिन ई जैसे प्रमुख तत्व शामिल हैं, जो एक जीवंत रंग सुनिश्चित करता है जो होंठों की सुरक्षा और कंडीशनिंग करते हुए नॉन–ट्रांसफर, मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग है। इसी तरह, प्लेअप लिप क्रेयॉन कलेक्शन एक बहुमुखी ट्रांसफर–प्रूफ क्रेयॉन प्रदान करता है जो लिप लाइनर के रूप में भी काम करता है, जिसमें सहज अनुप्रयोग के लिए समान पौष्टिक तत्व होते हैं। दोनों संग्रह होंठों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए लंबे समय तक टिके रहने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो उन्हें किसी भी सौंदर्य दिनचर्या के लिए आवश्यक बनाते हैं। इन अद्भुत शेड्स की कीमत 499/– रुपये 'कलर मैक्स लिपस्टिक' और 399/– रुपये 'प्लेअप क्रेयॉन' है। इस लॉन्च के साथ, जूस कॉस्मेटिक्स ने ष्सुपरसेफष् उत्पाद तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है जो सेहत से समझौता किए बिना सुंदरता को बढ़ाते हैं।

जूस कॉस्मेटिक्स के प्रोजेक्ट लीड श्री अमृत कामरा ने कहा "अग्रिति को हमारे नए चेहरे के रूप में पेश करना सम्मान की बात है। उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास जूस कॉस्मेटिक्स की भावना का प्रतीक है।" इसके अलावा, हमारा लक्ष्य व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को बढ़ाने वाले उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहना है। हम अपने ग्राहकों को नया सुपरसेफ कलेक्शन उपलब्ध कराने के लिए उत्साहित हैं।

संक्षेप में कहें तो प्रेस कॉन्फ्रेंस एक जबरदस्त सफलता थी, जो जूस के लिए एक रोमांचक नए अध्याय की शुरुआत करती है। ब्रांड पूरे भारत में महिलाओं के व्यक्तित्व का जश्न मनाने और उन्हें सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। सुंदरता और गुणवत्ता के मिश्रण वाले दूरदर्शी उत्पादों के साथ, जूस कॉस्मेटिक्स हर किसी को अपनी अनूठी सुंदरता का पता लगाने और खुद को साहसपूर्वक व्यक्त करने के लिए आमंत्रित करता है। अधिक प्रेरणादायक पहलों और ऑफरों के लिए जुड़े रहें क्योंकि जूस सौंदर्य उद्योग में अग्रणी बना हुआ है और हर पल को आत्म–अभिव्यक्ति का उत्सव बना रहा है।

जूस कॉस्मेटिक्स वेबसाइट: https://juicecosmetics-in/

जूस कॉस्मेटिक्स के बारे में

जूस कॉस्मेटिक्स प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाने वाले सुरुचिपूर्ण मेकअप के निर्माण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। उनके उत्पाद आपकी विशेषताओं को निखारने के लिए उच्च गुणवत्ता, मल्टीटास्किंग प्राकृतिक सामग्रियों से तैयार किए गए हैं। 21 राज्यों में फैले वितरण नेटवर्क और पूरे भारत में 30,000 से अधिक रिटेल आउटलेट्स के साथ–साथ एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति के साथ, जूस कॉस्मेटिक्स देश भर में ग्राहकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के पूर्व एमडी एपी मिश्रा ने परिवार सहित किया रामलला व हनुमान जी का दर्शन पूजन

अयोध्या। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के पूर्व एमडी एपी मिश्रा ने अपने परिवार के साथ राम नगरी आकर रामलला व अन्य धार्मिक स्थलों पर जाकर दर्शन पूजन किया।मौका था शुक्रवार को अपने सुपौत्र कार्तिक पुत्र निखिल मिश्र के मुंडन संस्कार के लिए आये थे।इस मौके पर उन्होंने अपने पौत्र का मुंडन संस्कार कराने के लिए आये थे।रामलला हनुमान गढ़ी व अन्य धार्मिक स्थलों पर दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने बताया कि यहां पर आकर उन्हें सुखद का अनुभव हो रहा है। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि मंदिर परिसर के व्यवस्था में लगे जितने भी सुरक्षा कर्मी व अन्य कर्मचारी हैं उनकी अच्छी व्यवस्था के चलते श्रद्धालुओं को काफी सुगमता से रामलला का दर्जन पूजन करने को मिल रहा है।उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग रामलला के दर्शन पूजन को लेकर किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं।इससे रामनगरी की छवि धूमिल होती है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से रामनगरी की पहचान विश्व स्तर पर हो रही है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां पर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद भव्य राम मंदिर के बारे में जो भव्यता व आकर्षण के बारे में सुना था।उसे आज यहां पर आकर देख लिया। उन्होंने देश के कोने कोने में रह रहे रामभक्तो से अपील किया है वे सभी आसानी से आकर दर्शन पूजन कर सकते हैं।

एआरटीओ प्रशासन व यातायात निरीक्षक ने चालकों व पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

अयोध्या। द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अभियान 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आरटीओ विभाग व यातायात पुलिस के द्वारा विभिन्न स्थानों पर चलाया जा रहा है।इसी के तहत शुक्रवार को लगभग 75 बस/ट्रक/ऑटो/ई–रिक्शा तथा टैक्सी चालकों एवं उनके यूनियन के पदाधिकारियों के साथ सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन आरटीओ कार्यालय परिसर में किया गया।इस मौके पर एआरटीओ प्रशासन डॉ आर पी सिंह व प्रभारी निरीक्षक यातायात अजय कुमार यादव ने वहां पर उपस्थित सभी चालकों,पदाधिकारियों के साथ कार्यालय के समस्त कार्मिक एवं यातायात विभाग के सभी कार्मिकों को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ गयी। इस मौके पर इनके अलावा सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), प्रवीण कुमार सिंह, यात्री/मालकर अधिकारी, राजेश कुमार, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक), प्रेम सिंह, हेड कान्सटेबल यातायात विजय सिंह,आरक्षी गोविन्द सिंह, होमगार्ड गौतेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी विद्युत विभाग के संविदा कर्मी करेंगे कार्य बहिष्कार

सुल्तानपुर। बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी ।संविदा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष आनंद कुमार अग्रहरी ने यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि विगत 26 तारीख को अधीक्षण अभियंता को मांग पत्र सौपा गया था। जिस पर अभी तक कोई समाधान नहीं निकला। इस वजह से कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य हैं। जिला उपाध्यक्ष अजय तिवारी और जिला महामंत्री अजय चौरसिया ने कहा कि यदि 3 दिन में समाधान नहीं निकला तो संविदा कर्मचारी अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

श्रमिकों के हक की लड़ाई लड़ेगा– ऑल इंडिया वेयरहाउसिंग कापरिशन ईम्प्लाइज यूनियन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। हमारी यूनियन ष्ऑल इंडिया वेयरहाउसिंग कापरिशन ईम्प्लाइज यूनियन की प्रेस कॉन्फ्रेंस फैजाबाद रोड, लखनऊ स्थित एक होटल में आयोजित की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश भंडारण निगम के कार्यरत श्रमिकों के कल्याण हेतु यूनियन द्वारा किए गए सार्थक प्रयासी की चर्चा की गई। यूनियन के राष्ट्रीय महामंत्री एस. के. पाण्डे ने पत्रकारों से बताया कि हम लगातार कई वर्षों से श्रमिकों के हित की लड़ाई लड़ रहे हैं उसी का परिणाम ये है कि वित्त विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा पुराने श्रमिकों के कार्य करने के कार्य दिवस के अनुसार उनको अवशेष वेतन का भुगतान का आश्वासन दिया गया जिसकी आगे की कार्यवाही दिनांक 18 अक्टूबर से प्रारम्भ की जाएगी साथ ही उप–श्रमायुक्त लखनऊ ध्द्वारा 9 अक्टूबर तक यूनियन से तकरीबन 7 जिलों के 19 डिपो के श्रमिकों की सूची की मांग की गई है ताकि उस सूची पर आगे की कार्यवाही की जा सके। इस अवसर पर यूनियन के उत्तर प्रदेश कमेटी के नव नियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा की गई, कमेटी में अध्यक्षा नीशू शुक्ला गिल उपाध्यक्ष राहिल कुमार, महामंत्री प्रवीण कुमार, सयुक्त मंत्री शैलेन्द्र कुमार, संगठन मंत्री राम रहीश, कार्यालय मंत्री विजय कुमार, प्रचार मंत्री राकेश कुमार, कोषाध्यक्ष विवेक शर्मा बनाए गए।

'यातायात निरीक्षक का चला हंटर, डग्गामारों में हड़कंप'

'सुल्तानपुर'। रोडवेज बस स्टाप,पयागीपुर और अमहट चौराहा डग्गामारी के लिए जाना जाता है,प्रभावी कार्यवाही ना होने के चलते डग्गामारी का धंधा फल–फूल रहा है,लगातार शिकायतों के बाद कभी–कभी यातायात विभाग का हंटर चल ही जाता है,शुक्रवार को प्रातः यातायात निरीक्षक राम निरंजन हमराहियों संग बस स्टाप पहुचें,जहां एक डग्गामार अर्टिगा कार सवारियां भर रही थी,टीआई ने सीधी कार्यवाही करते हुए सीज कर दिया,बस स्टाप से अमहट चौराहे पहुंचने से पहले डग्गामारों को भनक लग गई,मौके से डग्गामार खिसक लिए,बावजूद इसके एक अर्टिगा कार यातायात टीम के हांथ लग ही गई,टीम ने बगैर देर किये उक्त कार को सीज कर यार्ड में भेज दिया,यातायात पुलिस की कार्यवाही से डग्गामारी करने वालो में हडकंप मचा हुआ है।

जिला प्रशासन, श्री दुर्गा पूजा महा समिति द्वारा आयोजित समन्वय समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति और जिला प्रशासन के बीच जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में समन्वय मीटिंग आयोजित किया गया।

मीटिंग में जिलाधिकारी ने दुर्गा पूजा महासमिति को आश्वस्त किया कि नवरात्रि के दिनों में किसी प्रकार की जिला प्रशासन द्वारा कोई समस्या नहीं होगी जहां भी जो समस्या होगा ।वही महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव व महासचिव मनीष गुप्ता ने जिलाधिकारी के प्रयासों की सराहना करते हुए नगर में ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रही मां दुर्गा की प्रतिमाओं पर पंडाल को लेकर उत्पन्न हो रही समस्याओं से रूबरू कराया। इस पर जिलाधिकारी दिनेश चंद्र ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय सीमा में काम पूरा करने की शक्त हिदायत दिया कहा अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाईकी जाएगी।यदि जरूरत हुई तो एफ आई आर भी दर्ज कराई जायेगी।डीएम ने विभागों को आदेश दिया कि बिजली कटौती न होने पाए कहीं भी खुले तार न पाए जाए,नगर पालिका बिभाग व जलकल बिभाग को साफ सफाई व पानी की आपूर्ति का विशेष ध्यान देने के लिए आदेशित किया साथ ही स्वास्थ्य विभाग को बड़े पंडालों में फर्स्ट एड के लिए एक टीम को हमेशा ड्यूटी पर रहने के लिए भी आदेश दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में सभी एसडीएम,सीओ व तहसीलदारों को पूजा समिति के साथ समन्वय स्थापित कर जो भी समस्या हो उसका निस्तारण करें।

यातायात विभाग ने ई रिक्शा चालकों पर कसा शिकंजा

अयोध्या। यातायात विभाग शहर में जाम व दुर्घटना का कारण बने अवैध रूप से संचालित ई रिक्शा पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। इसके लिए यातायात विभाग इस तरह के ई रिक्शा पर कार्रवाई करने में जुटा हुआ है जो बिना रुट के विभिन्न मार्गों पर चल रहे हैं।इस संबंध में जानकारी देते हुए यातायात निरीक्षक अजय कुमार यादव ने बताया कि एक सप्ताह के की गई कार्रवाई में करीब दो दर्जन ई रिक्शों को सीज किया गया है।वही करीब हजारो ई रिक्शों के चालकों व मालिकों को हिदायत देते हुए छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि इस समय शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रो से भी शहर में आकर जाम लगा रहे हैं। जिसके चलते यहां पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं, स्कूली बच्चों राहगीरों, वाहन चालकों, सहित अन्य लोगों को इस जाम में घंटों फंसना पड़ रहा है।वही ग्रामीण क्षेत्रों से ई रिक्शा लाने वाले चालकों को शहरों में ई रिक्शा न चलाने के चलते खुद तो दुर्घटना ग्रस्त होते ही है।इसके अलावा समाने वाले वाहन चालकों व अन्य राहगीरों के साथ साथ उसमें सवार यात्रियों को गंभीर चोटे भी आती है। जिसके चलते इन पर अंकुश लगाना जरुरी हो गया था। उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि मंदिर होने के चलते यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं व आम जनमानस का आवा–जाही बना रहता है। जिसके चलते यातायात को सुगम बनाने के लिए अयोध्या धाम व अयोध्या शहर को 2 जोन में बाटा गया है। प्रथम जोन में थाना कोतवाली अयोध्या व थाना राम जन्मभूमि में शामिल किया गया है। जबकि द्वितीय जोन में कोतवाली नगर व थाना कैंट क्षेत्र को शामिल किया गया है।उन्होंने बताया कि प्रथम जोन में शामिल ई रिक्शों में कोड का रंग सफेद रहेगा जिसपर नीले रंग का संख्या अंकित रहेगा।वही द्वितीय जोन में शामिल ई रिक्शों में कोड का लाल रंग की पट्टी पर हरे रंग की सत्यापन कोड संख्या अंकित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इससे बाहर से आने वाले ई रिक्शों पर अंकुश लगेगा। उन्होंने ई रिक्शा चालक व स्वामियों से अपील किया है वे सभी निर्धारित रुट पर चले।

करंट लगने से युवक घायल, जिला चिकित्सालय रेफर

सुजानगंज। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील कुमार पुत्र विजय शंकर ग्राम पंचायत रामनगर के एक दुर्गा पूजा पंडाल में लाइट लगा रहा था अचानक से कोई तार से छु जाने से करंट लग गया जैसे ही सब की निगाह पडी तो अपने निजी साधन से आनन फानन में लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुजानगंज ले गए जहां पर स्थिति को देखते हुए डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया और वहीं पर साथ में आये परिजनों ने सरकार की व्यवस्था के ऊपर सवाल उठाए और कहा कि न तो कोई आपातकालीन परिस्थिति को सामना करने के लिए कोई व्यवस्था है न ही पंखा आदि की व्यवस्था है और वैकल्पिक व्यवस्था की कार्टून फाड़कर हवा देने लगे।

कुमारगंज थानाध्यक्ष रतन सिंह हुये लाइन हाजिर

अयोध्या। एसएसपी राज करन नय्यर ने कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने के आरोप में कुमारगंज थानाध्यक्ष रतन सिंह को लाइन हाजिर कर दिया। जबकि महाराजगंज थाना ध्यक्ष रहे अमरजीत सिंह को कुमारगंज थानाध्यक्ष का दायित्व सौंपा।वही बाबा बाजार थानाध्यक्ष रहे राजेश सिंह को महाराजगंज थाने की कमान सौंपी। फेरबदल की कड़ी में पुलिस लाइन में रहे शैलेंद्र कुमार आजाद को बाबा बाजार थानाध्यक्ष बनाया।

महिला थानाध्यक्ष व जीआरपी थानाध्यक्ष ने मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरुक

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में नवरात्रि के प्रथम दिन से मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है।जो नवरात्रि के प्रथम दिन से शुरु होकर तीस दिनों तक लगातार चलता रहेगा। इस अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने पुलिस कर्मियो के साथ शहर के आर्य कन्या बालिका इंटर कालेज में जाकर वहां पर उपस्थित बालिकाओं व शिक्षिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी के अलावा महिला उप निरीक्षक स्वेता राठौर,महिला आरक्षी छाया भदौरिया, शालिनी के अलावा पुलिस कर्मी व स्कूल की शिक्षिका व बालिका शामिल रही।इस मौके पर उन्होंने बालिकाओं व शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में अराजक तत्वों से निपटने के लिए आप सभी को सतर्क रहना होगा।इसके अलावा आप सभी को आत्मरक्षा के लिए सुरक्षात्मक उपाय करने होंगे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अगर आप सभी को किसी अनहोनी की आंशका दिखाई दे रही हों तो तो तुरंत इसकी सूचना बिना देरी किए विमेन पावर लाइन 1090,यूपी 112,ऑपरेशन कवच 181 महिला हेल्पलाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन ,1098 चाइल्ड लाइन ,साइबर अपराध (1930) के बारे में दे। ध्यान रहे कि आप किसी अनहोनी को लेकर परेशान न हो।बल्कि उसका मुकाबला करे। वहां पर मौजूद बालिकाओं व शिक्षिकाओं से उन्होंने कहा कि आप सभी पापा की परियां न बनकर पापा की शेरनी बिटिया बने। और समय आने पर सामने वाले से मुकाबला करने को तैयार रहें। इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष मंजू देवी ने बताया कि यह अभियान आज से प्रारंभ होकर लगातार 90 दिनों तक चलेगा।इस अभियान में महिलाओं व बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को पंपलेट, पोस्टर,बैनर, रैली के माध्यम से जागरुक किया जाएगा। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर प्रभारी निरीक्षक जीआरपी समर सिंह सहित अन्य पुलिस कर्मियों ने वहां पर मौजूद महिलाओं को पोस्टर व बैनर के माध्यम से सुरक्षा के प्रति जागरुक किया।

सीएम योगी ने राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का किया उद्घाटन

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन सिविल लाइंस क्षेत्र में राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूरे प्रतिष्ठान का अवलोकन किया और प्रतिष्ठान संचालकों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि यहां लोगों को उचित कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता के हर प्रकार के टेक्सटाइल उत्पाद उपलब्ध होंगे। गुरुवार शाम मुख्यमंत्री ने पहले फीता काटकर और प्रतिष्ठान में नियत पूजन स्थल पर पुष्प अर्पण कर राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भूतल समेत प्रतिष्ठान के सभी चार तलों पर बनाए गए रिटेल काउंटरों अवलोकन और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते हुए प्रतिष्ठान के निदेशक देवीदयाल अग्रवाल ने उन्हें बताया कि इस रिटेल प्रतिष्ठान में हर उम्र वर्ग के लोगों के लिए सभी प्रकार के वस्त्रों की विस्तृत श्रृंखला थोक दर पर उपलब्ध है। उन्होंने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर व्यापार के लिए बेहतरीन माहौल बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया और कहा कि कारोबार बढ़ने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, राधा माधव होलसेल फैमिली मार्ट के निदेशक दीनदयाल अग्रवाल, सुपरिचित उद्यमी चंद्र प्रकाश अग्रवाल, श्याम जी गोयल, अशोक खेमका, राजकुमार खेतान, गीता प्रेस के उत्पाद प्रबंधक लालमणि तिवारी, राधेश्याम अग्रवाल, नवीन, निकुंज, हरि अग्रवाल, रचित अग्रवाल, पार्थ अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

युवती को पड़ोसी ने ईंट से कूचकर मार डाला

गोरखपुर, संवाददाता। एक गांव की रहने वाली युवती की हत्या उसके ही गांव के पड़ोसी ऑटो चालक नारायण ने की थी। दोनों एक ही समय पर घर से अलग–अलग निकले थे। कुछ दूरी पर स्थित बंधे पर किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। आरोपी युवती से पीछा छुड़ाना चाहता था। इसलिए उसके सिर पर ईंट से मारकर हत्या कर दी। इसके बाद जिला अस्पताल में छोड़कर साथी वार्ड ब्वॉय से सूचना दिलवाया कि युवती दुर्घटना में घायल हो गई है। पिता ने तहरीर देकर आरोपी पर आशंका जताई थी। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने राज उगला। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जितेंद्र कुमार ने बताया कि मंगलवार को बेलीपार क्षेत्र की एक युवती की मौत हो गई थी। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूछताछ में घर वालों ने बताया कि उन्हें सदर अस्पताल से एक वार्ड ब्वाय से सूचना मिली थी कि उनकी पुत्री गंभीर हाल में अस्पताल में भर्ती है। पूछताछ में वार्ड ब्वॉय ने बताया कि एक ऑटो चालक अस्पताल में लाकर छोड़ गया था। युवती के भाई को वह पहचानता है, इसलिए सूचना दे दी। देर शाम युवती के पिता ने तहरीर देकर गांव के एक युवक पर हत्या की आशंका जताई। हिरासत में लेकर आरोपी से पूछताछ की गई तो पहले उसने बताया कि वह युवती को शास्त्री चौराहे पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में नीचे पड़ा देख अस्पताल पहुंचाया था। शास्त्री चौराहे पर लगे सीसी कैमरे की जांच हुई तो उसमें ऐसा कुछ नहीं दिखा। इसके बाद सख्ती से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि दोनों के बीच में पहले से बातचीत होती थी। उसकी शादी हो चुकी थी, इसलिए वह युवती से नहीं मिलना चाहता था। युवती से वह परेशान हो चुका था। इसलिए सोमवार को दोनों एक समय पर अपने–अपने घर से निकले। गांव से कुछ दूरी पर दोनों मिले तो युवती शादी करने का दबाव बनाने लगी। दोनों के बीच में काफी देर तक कहासुनी हुई। इसके बाद उसने युवती के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। एसपी दक्षिणी ने बताया कि आरोपी नारायण को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

डंपर की चपेट में आने से बिजली मिस्त्री की मौत

प्रयागराज, संवाददाता। दुर्गा पूजा पंडाल के लिए सड़क किनारे बावलियों पर बिजली सजाते समय एक युवा के डंपर की चपेट में आ गया। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। रात करीब 2:00 बजे हुए हादसे की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। लालगोपालगंज कस्बा स्थित लाल बाबा का पूरा उर्फ खरगू का पूरा मोहल्ला निवासी मो. अवैश राइन पुत्र स्व. अब्दुल रजाक तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर का था। वह शादी–विवाह और त्योहारों पर बिजली सजावट का काम कर परिवार का भरण–पोषण करता था। दो बजे कस्बा जेठवारा मार्ग स्थित मनिलाल का इदारा के पास बने पूजा पंडाल में सड़क किनारे बल्लियों पर बिजली सजावट कर रहा था, इसी बीच एक अनियंत्रित डंपर ने उसे टक्कर मार दिया। दुर्घटना में बिजली मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद पंडाल में काम कर रहे अन्य साथी आ गए। युवक को अस्पताल ले जाते, इससे पहले उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर परिजन और स्थानीय पुलिस भी आ गई। बाद में लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अब 50 हजार घरों में भेजा जाएगा बढ़े टैक्स का नोटिस

गोरखपुर, संवाददाता। शहर के करीब 50 हजार मकानों को इसी वित्तीय वर्ष से बढ़ा हुआ संपत्ति कर देना होगा। 21 वार्डों में जीआईएस सर्वे का नोटिस भेजने का सिलसिला बहुत जल्द शुरू हो जाएगा। जीआईएस सर्वेक्षण कर रही फर्म मेसर्स आईटीआई प्राइवेट लिमिटेड ने वार्ड नंबर 41 माधोपुर और 56 सूरजकुंड धाम नगर के सर्वेक्षण की नोटिस उपलब्ध करा दिए हैं। इसी सप्ताह से उसका वितरण शुरू हो जाएगा। 21 वार्डों में नोटिस का वितरण करने के बाद उसपर आने वाली आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने यह कार्य दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद बिल जमा कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। वर्तमान में शहर के पुराने 70 वार्डों में 47 में जीआईएस आधारित सर्वेक्षण आधारित संपत्तिकर का नोटिस वितरित कर

आपत्तियों का निस्तारण कराया जा रहा है। बाकी बचे 23 वार्डों में रेलवे के दो वार्ड छोड़कर 21 वार्डों का जीआईएस आधारित सर्वे पूरा हो चुका है। इसके आधार पर लोगों के संपत्तिकर के बिल में 100 से 300 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो गई है।

नए वार्डों का भी सर्वे जारी

नगर निगम में शामिल 10 नए वार्डों में भी वित्तीय वर्ष से संपत्ति कर वसूला जाएगा। इसके लिए इन वार्डों में भी संपत्तियों का सर्वे कर जियो टैगिंग की जा रही है। 2018–19 में हुए सीमा विस्तार के अंतर्गत नगर निगम में 31 गांव शामिल हुए। इसके बाद 10 नए वार्डों का सृजन हुआ। इसमें रानीडीहा, खोराबार, बड़गो, संझाई, मोहनपुर, गुलरिहा, हरसेवकपुर, भरवलिया, देवी प्रसाद नगर और गायघाट वार्ड बनाया। फिलहाल खोराबार में करीब 620 और हरसेवकपुर में 300 भवनों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इसके आधार पर मोहल्लावार सभी मकानों को सीरियल नंबर और हाउस नंबर भी दिए जा रहे हैं। इनको जल्द ही संपत्ति कर की नोटिस दी जाएगी। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी विनय कुमार राय ने बताया कि जीआईएस सर्वे कर रही कंपनी ने वार्ड नंबर 41 और 58 के जीआईएस आधारित संपत्तिकर के नोटिस उपलब्ध करा दिए हैं। इनका वितरण इसी हफ्ते शुरू हो जाएगा। पुराने 21 वार्डों में नोटिस भेजकर जल्द से जल्द आपत्तियों को निस्तारित किया जाएगा। नए 10 वार्डों में भी सर्वे जारी है।

स्टांप शुल्क की चोरी में उप निबंधक निलंबित

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर। गोरखपुर–सोनौली मार्ग पर ताल जहदा के पास करीब 21 हेक्टेयर भूमि की आठ पॉवर ऑफ अटार्नी में कम स्टांप शुल्क जमा कराने के आरोप में उप निबंधक

सदर–प्रथम सुबोध कुमार राय को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय, प्रयागराज से संबद्ध किया गया है। मामले की जांच शासन स्तर पर चल रही है। मुख्यालय स्तर से हुई कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। निबंधन कार्यालय में आठ पावर ऑफ अटार्नी के अभिलेखों में स्टांप व निबंधन शुल्क कम जमा करने की शिकायत अधिवक्ता पीएन पांडेय ने शासन स्तर पर की थी। इसके अलावा निबंधन प्रथम कार्यालय से ही नेपाल के थापा परिवार से हुई पॉवर ऑफ अटार्नी में भी स्टांप कर चोरी का मामला पकड़ा गया था। इसकी भी शिकायत शासन स्तर पर हुई थी। दोनों मामलों में करीब 200 करोड़ रुपये की कर चोरी का आरोप लगा था। इसके अलावा कुछ और मामलों की भी शिकायत की गई है। इसकी भी जांच चल रही है। 15 मामले एसडीएम और डीएम कोर्ट में हैं जहां सुनवाई चल रही है। शिकायतों पर विभागीय जांच शुरू करा दी गई। जांच में पाया गया है कि उप निबंधक प्रथम सुबोध कुमार राय के कार्यालय में पंजीकृत पावर ऑफ अटार्नी के पंजीकरण के समय नियमों की अनदेखी की गई। इसकी रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी गई थी। इसके आधार पर राजस्व क्षति पहुंचाने के आरोप में महानिरीक्षक निबंधन डॉ रूपेश कुमार ने उप निबंधक प्रथम सुबोध कुमार राय को निलंबित कर दिया है। एक अक्तूबर को कार्रवाई संबंधित पत्र भी विभाग में आ गया है। एआईजी स्टांप संजय दुबे ने बताया।

चिड़ियाघर में बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा मछलीघर, पहले चरण की मंजूरी

गोरखपुर, संवाददाता। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में बनने वाले वृहद मछलीघर के पहले चरण के निर्माण के लिए शासन से मंजूरी मिल गई है। चिड़ियाघर में आने वाले दर्शकों को बहुत जल्द समुद्र जैसा नजारा देखने को मिलेगा। मछलीघर का निर्माण कार्य नवंबर के अंत तक शुरू हो सकता है। प्रोजेक्ट पर करीब 150 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। दो से ढाई साल में पूरा होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप चिड़ियाघर प्रबंधन वृहद मछलीघर बनाने जा रहा है। डीपीआर भी तैयार हो गई है। गोरखपुर और आसपास के जिलों के लोगों के लिए यह एक नया अहसास होगा। इसमें घूमकर वे दुनिया के विभिन्न देशों में पाई जाने वाली मछलियों को देख सकेंगे। इसमें प्रवेश के लिए एक शुल्क निर्धारित किया जाएगा। यह प्रदेश का सबसे बड़ा मछलीघर होगा। इसे 5500 वर्ग मीटर में बनाया जाएगा। इसमें मीठे पानी की करीब 80 प्रजाति की मछलियां देखने को मिलेंगी। मछलीघर में एक टनल बनाया जाएगा जिसमें घूमकर दर्शक मछलियों को देख सकेंगे। यह मेन टैंक करीब 1500 वर्ग मीटर का होगा। टनल की लंबाई करीब 60 मीटर, ऊंचाई और चौड़ाई तीन मीटर की होगी।

देखने को मिलेंगी मीठे पानी की मछलियां

चिड़ियाघर में बनने वाले वृहद मछलीघर में मीठे पानी की मछलियां देखने को मिलेंगी। यह मछलियां करीब 10 फीट तक की होंगी। पूरे मछलीघर में दो हजार से भी अधिक मछलियां रहेंगी। इसमें गूंच कैटफिश, जाइंट फ्रेशवॉटर प्रॉन, रेटटेल कैटफिश, एरोवाना, रेनबो फिश, गौरामी, टाइगर बार्ब आदि मछलियां भी रखी जाएंगी। पहले चरण के निर्माण के लिए इसी महीने बजट स्वीकृत हो सकता है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप चिड़ियाघर में वृहद मछलीघर बनाया जाएगा। इसके लिए पहले चरण की मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है जल्द ही बजट स्वीकृत हो जाएगा। इसके बाद नवंबर के अंत तक इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 150 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के दो से ढाई वर्षों में यह पूरा हो जाएगा।

बाढ़ के पानी से घिरे 29 गांव, लगानी पड़ीं 85 नाव-नेपाल की बारिश ने बढ़ाई आफत

गोरखपुर, संवाददाता। हाल ही में नेपाल की पहाड़ियों से लेकर मैदानी इलाकों में हुई भारी बारिश का असर जिले में बहने वाली नदियों के जलस्तर पर पड़ा है। तेज बारिश के कारण सभी नदियों में उफान आ गया। राप्ती का जलस्तर अब भी बढ़ रहा है। इस समय राप्ती नदी खतरे के निशान से 82 सेमी ऊपर बह रही है। लिहाजा जिले के 29 गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। इन गावों में 85 नावों को लगाना पड़ा है। अब बारिश थम चुकी है फिर भी सरयू, राप्ती, रोहिन जैसी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। हालांकि सरयू व रोहिन का जलस्तर कम होने लगा है। अक्तूबर का महीना शुरू हो चुका है। जानकारों का मानना है कि इस समय बाढ़ नहीं आती है। लेकिन, वर्तमान समय में जिले के 29 गांव बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। शहरी क्षेत्र के करीब होने के नाते इन गावों में 85 नावों को लगाना पड़ा है। इन गावों में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इन गावों में पशुओं के चारा की समस्या उत्पन्न हो गई है। प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन इन गावों में पशुओं के चारा की व्यवस्था कराए। इस बार की बाढ़ का असर सदर तहसील के 17, सहजनवां के 6, कैंपियरगंज के 5 तथा चौरीचौरा के एक गांव पर पड़ा है। इसके पहले बाढ़ से गोला और खजनी तहसील के अधिक गांव प्रभावित होते रहे हैं। आपदा प्रबंधन कार्यालय के मुताबिक इस बार इस तहसील का कोई गांव प्रभावित नहीं हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि राप्ती का जलस्तर लगातार बढ़ते रहने से और भी गांव बाढ़ के पानी से घिर सकते हैं। गोर्रा नदी अभी खतरे के निशान से नीचे है। लेकिन, उसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यही रफ्तार उसके बढ़ने की रही तो वह भी बृहस्पतिवार तक खतरे का निशान पार कर सकती है। इस समय वह खतरे के निशान से मात्र 15 सेमी नीचे है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता विकास कुमार सिंह ने बताया कि राप्ती नदी में बूढ़ी राप्ती, रोहिन सहित अन्य नदियों का पानी आने से इसका जलस्तर बढ़ रहा है। इसका पानी सरयू में जाता है। सरयू का पानी गंगा में जाता है। गंगा में बहुत पानी आने से उसका पानी तेजी से कम नहीं हो रहा है। इस नाते सरयू नदी का पानी भी तेजी से नहीं निकल रहा है। यही वजह है राप्ती का पानी निकल नहीं पा रहा है। वैसे कहीं जिले में खतरे की कोई बात नहीं है। उनका पूरा महकमा बंधों की निगरानी कर रहा है। चिंता की कोई बात नहीं है।

कांग्रेस के टिकट दावेदारों में छिड़ी वर्चस्व की जंग

प्रयागराज, संवाददाता। उप चुनाव के पहले ही कांग्रेस में गुटबाजी का असर साफ नजर आने लगा है। टिकट पाने और वर्चस्व दिखाने की होड़ में कांग्रेसियों ने पार्टी की साख को भी दांव पर लगा दिया। उपचुनाव के पहले ही पार्टी के नेताओं की गुटबाजी बड़े नेताओं को भी नजर आई। उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसमें से एक सीट फूलपुर विधानसभा की भी है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन है। सूत्रों के मुताबिक हो सकता है फूलपुर की सीट कांग्रेस के खाते में आए, इसी को लेकर कांग्रेस के 20 से अधिक पदाधिकारी और नेताओं ने टिकट के लिए अपनी अपनी दावेदारी ठोकी है। रविवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के लालाबाजार सहसों में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय एवं प्रदेश अध्यक्ष अजय राय भी पहुंचे थे। इस दौरान उपचुनाव में टिकट के दावेदारों में जोर आजमाइश को लेकर होड़ लगी थी, तमाम दावेदार समर्थकों के साथ पहुंचे थे। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुरेश यादव और वरिष्ठ नेता मनीष मिश्रा भी दावेदारों में शामिल हैं। दोनों दावेदारों के समर्थक जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। इसी दौरान एक दावेदार के समर्थन का दूसरे से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद दोनों ओर से लात घूसे चलने लगे। हाथापाई हो गई। मंच पर मौजूद पार्टी के बड़े नेताओं के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया। फिलहाल कांग्रेस पार्टी की सभा में कार्यकर्ताओं के बीच वर्चस्व को लेकर आपसी भिड़ंत कई दफा, इसके पहले भी हो चुकी है। साल भर पहले फूलपुर के जमुनीपुर में हुए कांग्रेस के कार्यक्रम में भी हंगामा हो गया था। करीब 5 वर्ष पूर्व फूलपुर में हुई कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी की सभा में भी कार्यकर्ता भिड़ गए थे। क्षेत्र के जानकार बताते हैं कि इधर कई विधानसभा व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का फूलपुर में खाता नहीं खुला और अब आपसी गुटबाजी फिर सामने आ गई।

राहुल गांधी की सभा में भी हो चुका है हंगामा

अभी हाल में ही हुए लोकसभा चुनाव के दौरान फूलपुर लोकसभा क्षेत्र के पंड़िला में हुई विशाल जनसभा के दौरान राहुल गांधी की मौजूदगी में भी जमकर हंगामा और भगदड़ हुई थी।

हंगामा की वजह से सभा में मौजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपना संबोधन भी नहीं कर पाए थे।

रील क्रिएटर पर चलाई गोली, जान बच गई

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर का रामगढ़ताल थानाक्षेत्र के रामगढ़ताल इलाके में बृहस्पतिवार दोपहर में कार सवार युवक पर बदमाशों ने गोली से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली कार के दरवाजे पर लगी। कार सवार ने किसी तरह खुद को संभालते हुए गाड़ी भगाई।

गोली चलाने वाले हमलाकर मौके से फरार हो गए।

बांसगांव के विपिन कन्नौजिया पेशे से रील क्रिएटर का काम करते हैं। इनके पेज पर इनके काफी फॉलोवर हैं। दोपहर में रामगढ़ इलाके में मनबढ़ों ने अचानक इनकी गाड़ी पर हमला कर दिया। विपिन ने हमले के पीछे पांच से सात लोगों का नाम पुलिस को बताया है। सूत्र बताते हैं कि अभी दो दिन पहले भी विपिन के साथ ही मनबढ़ों ने रामगढ़ताल इलाके में मारपीट की थी। इस मारपीट में भी आरोपियों ने विपिन की धमकी दी थी। पुलिस ने गोली चलाने वालों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर शुरू कर दी है। दो लोगों की तलाश में पुलिस ने थोड़ी देर पर पहले छापा मारा था। लेकिन, फरार हो गए।

शाम को जमती है महफिल, बनाते हैं रील

एक लंबी गोल शाम को समय नौका विहार इलाके के इस क्षेत्र में घूमती है। यहां लोगों की आवाजाही भी खूब होती है। इस सड़क पर रील बनाने के साथ युवाओं की गोलबंदी भी जुटती है। इसी गोलबंदी में ही ये विवाद का मामला सामने आ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी के साथ किया दुष्कर्म

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी के सलारपुरा निवासी 43 वर्षीय बुनकर मुराद अली को 13 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में जैतपुरा थाने की पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी मुराद पांच बच्चों का पिता है। जैतपुरा थाने की पुलिस को किशोरी के बड़े भाई ने बुधवार को तहरीर दी थी। बताया कि उसकी बहन बीते मंगलवार की रात लगभग आठ बजे घर के समीप बच्चों के साथ छुपा–छुपाई खेल रही थी। उसी दौरान मुराद अली उसकी बहन को खींच कर पॉवरलूम के कारखाने में ले गया और दुष्कर्म किया। उसकी बहन घर आई तो मुराद अली की करतूत के बारे में जानकारी दी। उधर, इस संबंध में जैतपुरा थानाध्यक्ष बृजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल मुआयना के लिए भेजा गया। आरोपी को गुरुवार की सुबह सिटी स्टेशन के मालगोदाम के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के सामने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने फाड़ दिया पीएम का ज्ञापन

वाराणसी, संवाददाता। आईआईटी बीएचयू में छात्रा के सामूहिक दुष्कर्म मामले में विरोध करने वाले 13 छात्रों के निलंबन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। धरना–प्रदर्शन के बाद गुरुवार को पीएम संसदीय कार्यालय पर ज्ञापन देने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पहले ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसको लेकर कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। ज्ञापन न देने जाने से नाराज कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने ही ज्ञापन फाड़ दिया। छात्रों ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़ा आंदोलन किया जाएगा। बीएचयू के 13 छात्रों को कुछ दिन पहले ही विश्वविद्यालय प्रशासन ने निलंबित कर दिया। इसके बाद से ही विरोध–प्रदर्शन चल रहा है। इस बीच, सपा और कांग्रेस ने भी एक्स पर पोस्ट करके विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़ा किया है। गुरुवार को एनएसयूआई कार्यकर्ता पीएम संसदीय कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे कि पुलिस ने आगे जाने से मना करते हुए उन्हें रोक दिया। इस दौरान एनएसयूआई यूपी पूर्वी के प्रदेश अध्यक्ष ऋषभ पांडेय, आयुष यादव, संदीप पाल, गौतम शर्मा, गौरव पटेल, शिवम सेठ मौजूद रहे। उधर, महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि बीते 1 नवंबर 2023 को आईआईटी बीएचयू की एक छात्रा के साथ बीजेपी आईटी सेल के तीन पदाधिकारियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। आरोपी बाहर घूम रहे हैं और घटना का विरोध करने वालों पर कार्रवाई की गई, जो निंदनीय है। आईआईटी बीएचयू की छात्रा से गैंगरेप करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी और सजा दिलाने के लिए किए गए आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों पर की गई कार्रवाई न केवल अनुचित है, बल्कि यह हमारे संविधान के मौलिक अधिकारों का भी हनन करती है। उक्त बातें सपा नेताओं ने गुरुवार की देर शाम बीएचयू के सिंह द्वार पर प्रदर्शन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि छात्रों को निलंबित करना, जब वे न्याय की मांग कर रहे थे, संविधान द्वारा दिए गए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विरोध करने के अधिकार का उल्लंघन है। ऐसे आंदोलनों में हिस्सा लेने वाले छात्रों को सजा देना गलत संदेश देता है और भविष्य में पीड़ितों के लिए खड़ा होने वाले लोगों को हतोत्साहित कर सकता है। यह तानाशाही प्रवृत्तियों का संकेत है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। कुलपति और प्रशासन को छात्रों की बहाली पर ध्यान देना चाहिए और न्याय की मांग करने वालों का समर्थन करना चाहिए, न कि उन्हें दंडित करना। कैंडल मार्च के माध्यम से कुलपति के बुद्धि और सद्बुद्धि की प्रार्थना किया गया। कैंट विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव के नेतृत्व में अमन यादव, विवेक यादव, राहुल यादव,राधेश्याम यादव आदि रहे।

मातम में बदलीं नवरात्र की खुशियां

भदोही, संवाददाता। भदोही के दुर्गागंज थाना क्षेत्र के कुढ़वा गांव में 15 वर्षीय एक किशोर ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। किशोर नौंवी का छात्र था। बताया जा रहा है कि दोपहर में वह दुर्गा पूजा पंडाल से लौटा था। किशोर ने यह कदम क्यों उठाया। इसकी जानकारी किसी को नहीं हो पा रही है। कुढ़वा गांव निवासी मोतीलाल गौतम के चार पुत्र हैं। इनका दूसरे नंबर का बेटा शरद दुर्गागंज के एक विद्यालय में कक्षा नौंवी में पढ़ता है। इन दिनों गांव में दुर्गा पूजा की तैयारी चल रही है, जिसके लिए गांव के ही युवक पंडाल तैयार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार को शरद भी पंडाल के पास ही मौजूद था। दोपहर करीब एक बजे वह पंडाल से घर लौटा, जिसके बाद घर के तीन शेड वाले कमरे में मां की साड़ी से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की नजर पड़ी तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी होते ही प्रभारी निरीक्षक संतोष राय मौके पर पहुंचे। बताया कि फॉरेंसिक टीम की मदद से मौके की जांच पड़ताल की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। किशोर ने यह कदम क्यों उठाया। इसकी जानकारी नहीं हो पा रही है।

चार गोवंश के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर, संवाददाता। तुर्कपट्टी पुलिस ने चार गोवंश के साथ दो अंतरराज्यीय पशु तस्करों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पशु तस्कर गोपालगंज जिले के रहने वाले हैं। कुशीनगर के पशु तस्करों से मिलकर तस्करी करते थे। पुलिस ने गोवंश को मुक्त कराकर पिकअप को सीज कर दिया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।